

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A1281

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 2607

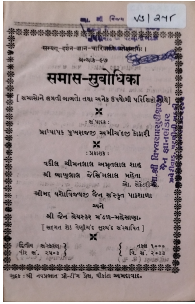
Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 19/07/2023

Last Date : 17/10/2023

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                                               |
|--------|-------------|--------------------------------------------------------------------------|
| 1      | VS00258     | समास सुबोधिका                                                            |
| 2      | VS00649     | सिद्धहैम सारांश संस्कृत व्याकरण (प्रथमा, मध्यमा, उत्तमा, नियमावली सूत्र) |
| 3      | AD07563     | वीतरागस्तोत्रम्                                                          |
| 4      | AC12834     | वीतरागस्तोत्र (भावानुवाद)                                                |
| 5      | AD02246     | समास सुबोधिका                                                            |
| 6      | AB05884     | त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्र महाकाव्य 10 मु पर्व (भाग-2) श्लोकानुवाद     |
| 7      | AB05881     | त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्र महाकाव्य 10 मु पर्व (भाग-1) श्लोकानुवाद     |
| 8      | AC12833     | वीतरागस्तोत्र (भावानुवाद)                                                |

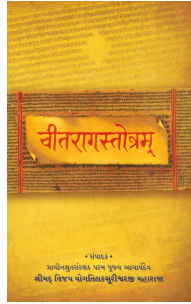
VS00258



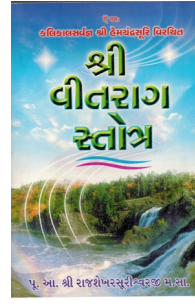
VS00649



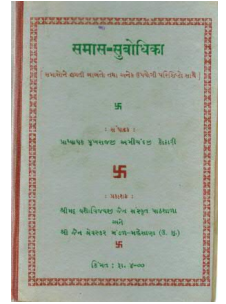
AD07563



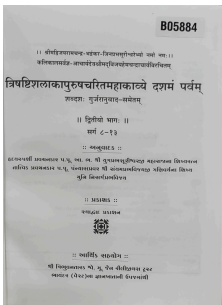
AC12834



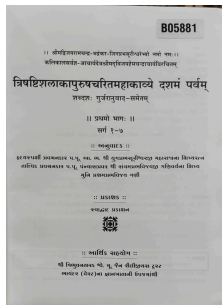
AD02246



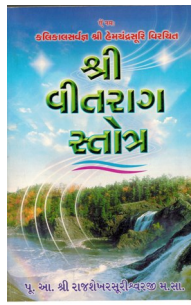
AB05884



AB05881



AC12833



**Notes :** VS00258, VS00649, AD07563, AC12834, AD02246, AB05884, AB05881, AC12833 - विरतिधराश्रीजी म.सा (98205 85209)  
AB - B Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AD - D Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, VS - अभ्यास योग्य पुस्तक विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

### संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्नु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेतलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.